अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

दो वर्षीय एम.ए.डिग्री प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिंदी) सेमेस्टर -I

हिंदी विभाग

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2023 पैटर्न)

(एनईपी 2020 के अनुसार)

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक: प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

प्रस्तावना

अनेकांत एजुकेशन सोसायटी के तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, 2023 से विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है।एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा , व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्रऔर बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है जो छात्रों में रूचि विकसित करने में मदद करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित दृष्टिकोण को धयन में रखकर, तुलजाराम चतुरचंद कॉलेज, बारामती-पुणे के हिंदी अध्ययन बोर्ड ने एफ.वाय.बी.ए.(हिंदी) के पहले सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है। जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे है। पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के साथ संरेखित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है जो कैरियर को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

हिंदीमेंस्नातकछात्रोंकोज्ञानप्रदानकरनेकेसाथस्वस्थमनोविनोदएवंमनोरंजनकीशिक्षादेना,हिंदी भाषा-शैली से अवगतकराना,हिन्दीसाहित्यएवंभाषाकेप्रतिअनुरागकाविकासकरना,जीवनकेप्रतियथार्थताएवंस्वाभाविकताका बोधकराना,आदर्शजीवनकेप्रतिजागरूकताउत्पन्नकरना, विचार, कल्पनाशक्ति, तर्कशक्तिकाविकासकरना, भावनात्मकतथाचारित्रिकगुणोंकोविकसितकरना,
सामाजिकताएवंराष्ट्रीयताकीभावनाकाविकासकरना,साहित्य काअन्तिमउद्देश्यसत्यमं-शिवम्सुन्दरम्कीप्राप्तिकरना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं।

कुल मिलाकर, एनईपी 2020 के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक , व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें आज की गतिशील बनाने के लिए तैयार किया गया है । यह उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

***PSO1.*छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित होंगे।**

***PSO2.*प्राचीन कवीयों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।**

***PSO3.*छात्रों में साहित्य पढने की रूचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।**

***PSO4.*साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल,भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।**

***PSO5.*छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।**

***PSO6.*छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।**

***PSO7.*छात्र हिंदी.मराठी.अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद से परिचित होंगे ।**

***PSO8.*छात्रों में मध्ययुगीन हिंदी काव्य के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।**

***PSO9.*छात्र महात्मा कबीर के विचारों को वर्तमान काल के परिप्रेक्ष्य में विचार करेंगें।**

***PSO10.*छात्रों मेंअनुसंधान से ज्ञानदृधि बढ़ेगी।**

***PSO11.*अनुसंधान तथ्य सिद्धांत आदि से छात्र परिचित होगा।**

***PSO12.*मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढकर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होगी।**

***PSO13.*छात्रों में नाट्यकला की रूचि निर्माण करके नाट्यकला का विकास होगा।**

***PSO14.*रोजगार की दृष्टी से नाटक के तकनीकी पक्ष की समझ होगी।**

***PSO15.*छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतांे से परिचित होंगे।**

***PSO16.*छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।**

***PSO17.*छात्र पटकथा लेखन कौशल से परिचित होंगे ।**

***PSO18.*आकाशवाणी, दूरदर्शन, टी.व्ही. चैनलों के लिए वृत्तचित्र ;डाक्यूमेंट्री, धारावाहिक, लघु फिल्मो आदि के लिए पटकथा तैयार कर सकेंगे ।**

***PSO19.*छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।**

अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(2022-23 से 2024-25 तक)

अ.क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. प्रदीप सरवदे	अध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख
2.	डॉ. प्रतिभा जावले	सदस्य
3.	डॉ. नितिन धवडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
4.	डॉ. अपर्णा कुचेकर	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
5.	डॉ. राजेंद्र श्रीवास्तव	प्रोद्योगिकी प्रतिनिधि
6.	डॉ. मनोहर जमदाडे	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
7.	डॉ. राजेंद्र खैरनार	निमंत्रित प्रतिनिधि
8.	कु. पूजा अदागले	छात्र प्रतिनिधि

Credit Distribution Structure for F.Y.M.A.-2023-2024 (Hindi)

Year (2 Year PG)	Level	Sem. (2 Yr)	Major		Research Methodology (RM)	OJT/ FP	RP	Cum. Cr.	Degree
			Mandatory	Electives					
I	6.0	Sem-I	HIN-501-MJM – प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो और रहीम) (Credit 04)	HIN -511- MJE विशेष साहित्यकार - कबीर (Credit 04)	HIN -521-RM अनुसंधान प्रविधि (Credit 04)	--	--	22	PG Diploma (after 3 Year Degree)
			HIN -502-MJM - आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी) (Credit 04)						
			HIN -503-MJM- भारतीय साहित्यशास्त्र (Credit 04)						
			HIN -504-MJM- अनुवाद : स्वरुप एवं व्यवहार (Credit 02)						
		Sem-II	HIN -551-MJM - मध्ययुगीन हिंदी काव्य (जायसी, बिहारी, भूषण) (Credit 04)	HIN -561- MJE विशेष विधा - हिंदी उपन्यास (Credit 04)	--	HIN -581- OJT/ FP Credit 04	--	22	
			HIN -552-MJM- हिंदी नाटक और रंगमंच (Credit 04)						
			HIN -553-MJM - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र (Credit 04)						
			HIN -554-MJM- पटकथा लेखन (Credit 02)						
Cum. Cr. For PG Diploma			**28**	**8**	**4**	**4**	**--**	**44**	

Course Structure for F.Y.M.A.Hindi (2023 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
I	Major (Mandatory)	HIN-501-MJM	प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो और रहीम)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -502-MJM	आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -503-MJM	भारतीय साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -504-MJM	अनुवाद : स्वरुप एवं व्यवहार	Theory	02
	Major (Elective)	HIN -511-MJE	विशेष साहित्यकार - कबीर	Theory	04
	Research Methodology (RM)	HIN -521-RM	अनुसंधान प्रविधि	Theory	04
				Total Credits Semester I	**22**
II	Major (Mandatory)	HIN -551-MJM	मध्ययुगीन हिंदी काव्य (जायसी, बिहारी, भूषण)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -552-MJM	हिंदी नाटक और रंगमंच	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -553-MJM	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -554-MJM	पटकथा लेखन	Theory	02
	Major (Elective)	HIN -561-MJE	विशेष विधा - हिंदी उपन्यास	Theory	04
	On Job Training (OJT)/Field Project (FP)	HIN -581-OJT/FP	On Job Training/Field Project relevant to the major course.	Training/ Project	04
				Total Credits Semester-II	**22**
				Cumulative Credits Semester I and II	**44**

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.] SEMISTER – I

Major – प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य(अमीर खुसरो तथा रहीम)

PAPER CODE :HIN-501-MJM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -I**
Semester	**: I**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**:प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य (अमीर खुसरो तथा रहीम)**
Course Code	**: HIN-501-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**:** 04

A) उद्देश्य (CourseObjectives) :

1.हिंदी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारीदेना।

2. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य-कृतियों का परिचय कराना।

3. प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्य कला से छात्रों को अवगत कराना।

4. छात्रों को हिंदी की प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित कराना।

5. छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।

B) अपेक्षित परिणाम(CourseOutcomes) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित होंगे।

CO2-हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूक निर्माण होगी।

CO3-नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।

CO4-प्राचीन कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।

CO5-
CO6-
CO7-
CO8-

पाठ्यक्रम

Major – प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य(अमीर खुसरो तथा रहीम)

PAPER CODE :HIN-501-MJM

पाठ्यपुस्तकें : 1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य

संपादक: डाॅ. भोलानाथ तिवारी

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली - 110 002

2)रहीम ग्रंथावली: दोहावली

संपादक : विद्यानिवास मिश्र,गोविंद रजनीश

प्रकाशक: वाणी प्रकाशन 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली

ईकाई नं.1:ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ: 15 तासिकाएं

अ) पहेलियाँ -1. अंतर्लिपिका - 2, 7, 15, 2. बहिर्लिपिका - 2, 13,

आ) मुकरियाँ - 1, 11, 19, इ) दो सखुन - 10 ई) ढकोसले - 07

उ) कव्वाली - 02 ऊ) निसबते -10

ईकाई नं. 2 :रहीम ग्रंथावली: दोहावली 15 तासिकाएं

(1 से 50 दोहे)

ईकाई नं. 3 :अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

1. अमीर खुसरो-व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता
3. अमीर खुसरो की रचनाओं में लोकरंजकता
4. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान
5. अमीर खुसरो की भाषा तथा काव्य कला
6. अमीर खुसरो की देन - कव्वाली

ईकाई नं. 4 :अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

7. रहीम व्यक्तित्व एवं कृतित्व
8. रहीम के काव्य नीति
9. रहीम के काव्य में सांैदर्य वर्णन
10. रहीम के काव्य में कल्पना और यथार्थ
11. रहीम के काव्य में भाषा
12. रहीम के काव्य भावपक्ष और कलापक्ष

संदर्भ ग्रंथ:

1. अमीर खुसरो - डाॅ. हरदेव बाहरी
2. खुसरो की हिंदी कविता- ब्रजरत्न दास
3. अमीर खुसरो - भोलानाथ तिवारी
4. रहीम ग्रथावली - विद्यानिवास मिश्र,गोंिवंद रजनिश
5. मध्यकालीन कविता का पाठ - डाॅ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल
6. काव्य पराग - डाॅ. आनंदप्रकाश दीक्षित
7. रहीम - रामनरेश त्रिपाठी
8. हिंदी के प्राचीन कवि - डाॅ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
9. हिंदी के प्रतिनिधि कवि - डाॅ. सुरेश अग्रवाल

———————————

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.] SEMISTER – I

Major – आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)

PAPER CODE :HIN-502-MJM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**: PAHIN**
Class	**:** M.A. -I
Semester	**:**I
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**:आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)**
Course Code	**: HIN-502-MJM**
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

A) उद्देश्य (CourseObjectives) :

1. *गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।*
2. *प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।*
3. *विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष कामहत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।*
4. *रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।*

B) अपेक्षित परिणाम (CourseOutcomes):

CO1-छात्रों में साहित्य पढने की रूचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।

CO2-साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल,भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।

CO3-समाज में अच्छे इंसान बनने की प्रवृत्ति का विकास होगा।

CO4- नवसृजन लेखन की प्रेरणा जागृत होगी।

CO5-

CO6-

CO7-

CO8-

पाठ्यक्रम

Major – आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)

PAPER CODE :HIN-502-MJM

पाठ्यपुस्तकें : 1) उपन्यास - 'अकाल में उत्सव': पंकज सुबीर

प्रकाशक: शिवना प्रकाशन, सम्राट काॅम्प्लैक्स, सीहोर- 466001(म.प्र.)

2)कहानी दशक - संपादन-हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणेविश्वविद्यालय,पुणे

प्रकाशक: परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई

ईकाई नं.1:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

1. हिंदी उपन्यास विधा का सामान्य परिचय
2. हिंदी उपन्यास का विकास
3. विवेच्य रचनाकार का व्यक्तित्व एव ंकृतित्व
4. 'अकाल में उत्सव': तात्विक विवेचन

ईकाई नं.2:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

5. 'अकाल में उत्सव': संवेदनाएँ
6. 'अकाल में उत्सव': विभिन्न समस्याएँ
7. 'अकाल में उत्सव': पात्रों का चरित्र चित्रण
8. 'अकाल में उत्सव': शिल्प पक्ष
9. 'अकाल में उत्सव': शीर्षक की सार्थकता

ईकाई नं.3:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

1. हिंदी कहानी विधा का विकास
2. कहानी विधा के तत्व तथा आलोचना: हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के संदर्भ में

हिंदी श्रेष्ठ कहानियाँ

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. आकाशदिप - जयशंकर प्रसाद
3. गैंग्रीन - अज्ञेय

ईकाई नं.4: **4.** सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती 15 तासिकाएं

5. साजिश- सूरजपाल चैहान

6. जंगल गाने लगा - अंकुश्री

7. दूसरा ताजमहल - नासिरा शर्मा

8. दुख - यशपाल

संदर्भ ग्रंथ:

1. अट्ठारह उपन्यास: राजेंद्र यादव

2. हिंदी उपन्यास: सौ वर्ष-संपा. रामदरश मिश्र

3. समकालीन हिंदी उपन्यास-डाॅ. विवेकी राय

4. उपन्यास: स्थिति और गति-डाॅ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर

5. आज का हिंदी उपन्यास- डा.ॅ इंद्रनाथमदान

6. आज का हिंदी उपन्यास- डा.ॅ इंद्रनाथमदान

7. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि: डाॅ.सत्यपाल चुघ

8. नई कहानी का स्वरूप विवेचन-डाॅ. इंदु रश्मि

9. नई कहानी के विविध प्रयोग- शशि भूषण पाण्डेय शीतांषु

10. समकालीन हिंदी कहानी-डाॅ. पुष्पपाल सिंह

11. नई कहानी की भूमिका-कमलेश्वर

12. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति-देवीशंकर अवस्थी

13. उत्तर शती का हिंदी साहित्य-संपा. डाॅ. सुरेशकुमार जैन

14. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य -डाॅ. राजेंद्र खैरनार

15. हिमांशुजोशी का कथा साहित्य - डा.ॅ अनिल साळुंखे

*****

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.] SEMISTER – I

Major –भारतीय साहित्यशास्त्र

PAPER CODE :HIN-503-MJM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**: PAHIN**
Class	**:** M.A. -I
Semester	**:**I
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**:भारतीय साहित्यशास्त्र**
Course Code	**: HIN-503-MJM**
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

A) **उद्देश्य (CourseObjectives)**:

1. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छात्रांे को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतांे का ज्ञान कराना।
4. साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से छात्रों को अवगत कराना।
5. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना।
6. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य-वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

B) **अपेक्षित परिणाम (CourseOutcomes) :**

CO1-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतांे से परिचित होंगे।

CO2-छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।

पाठ्यक्रम

Major –भारतीय साहित्यशास्त्र

PAPER CODE :HIN-503-MJM

ईकाई नं.1:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

1. रस सिद्धांत:रस का स्वरूप, भरतमुनि का रससूत्र, रस के अवयव (अंग), रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथाअभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा, करुण रस का आस्वाद।

ईकाई नं.2:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

2. अलंकार सिद्धांत: अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा,स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार और रस,काव्य में अलंकार का स्थान।

3. रीति सिद्धांत:

रीति शब्द की व्युत्पत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली।

ईकाई नं.3:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

4. ध्वनि सिद्धांत: ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्द-शक्ति, ध्वनि सिद्धांत का महत्व।

ईकाई नं.4:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

5. वक्रोक्ति सिद्धांत:वक्रोक्ति की परिभाषा, आचार्य कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों कासोदाहरण परिचय, वक्रोक्ति का महत्व। **6.** औचित्य सिद्धांत:औचित्य का स्वरूप, आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेन्द्र काऔचित्य विचार, औचित्य के भेद, अन्य सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व।

संदर्भ ग्रंथ:

1. काव्यशास्त्र की रूपरेखा- डाॅ. रामदास भारद्वाज
2. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डाॅ. कृष्णदेव शर्मा
3. काव्यशास्त्र - डाॅ. भगीरथ मिश्र

4. भारतीय काव्यशास्त्र -डाॅ. विजयपाल सिंह

5. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य-चिंतन- डाॅ. सभापति मिश्र

6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन- डाॅ. बच्चन सिंह

7. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डाॅ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर

8. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत- डाॅ. राममूर्ति त्रिपाठी

9. रीतिकाव्य की भूमिका- डाॅ. नगेंद्र

10. भारतीय काव्यशास्त्र-(खंड़-1 और 2)-आचार्य बलदेव उपाध्याय

11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डाॅ. गणपतिचंद्र गुप्त

12. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डाॅ. तेजपाल चैधरी

13. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र- प्रो. हरिमोहन

14. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डाॅ. गोविंद त्रिगुणायत

15. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डाॅ. जालिंदर इंगळे

16. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डाॅ. कृष्णदेव झारी

****

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[MA] प्रथम सत्र [SEMISTER – I]

MJM –अनुवाद : सिद्धांत और स्वरुप

PAPER CODE :HIN -504-MJM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**: B.A. Hindi**
Program Code	**: MAHN**
Class	**: M.A.**
Semester	**: I**
Course Type	**: SEC**
Course Name	**: अनुवाद: सिद्धांत और स्वरुप**
Course Code	**: HIN -504-MJM**
No. of Lectures	**: 30**
No. of Credits	**: 02**

A) उद्देश्य (CourseObjectives) :

1) अनुवाद का सामान्य परिचय कराना।

2) अनुवाद प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी को मार्गदर्शन कराना।

3) छात्रों को अनुवाद का महत्व बताना।

4) अनुवाद के उपयोगी विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देना।

5) छात्रों को हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद संबंधी मार्गदर्शन करना।

6) शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य के लिए योग्य बनाना।

7) छात्रों को हिंदी-मराठी-अंग्रेजी तीन भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त कराने के लिए मार्गदर्शन करना।

B) अपेक्षित परिणामCourseOutcomes:

CO1- छात्र अनुवादकी सामान्यजानकारी से परिचित होंगे।

CO2-अनुवाद प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी समझा सकेंगे ।

CO3- छात्रअनुवादकामहत्वबतायेंगे ।

CO4- छात्र विभिन्नक्षेत्रोंमेंअनुवादकीआवश्यकतासे अवगत होंगे ।

CO5- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजीभाषाओंकेपारस्परिकअनुवादसे परिचित होंगे।

CO6- शिक्षार्थीकोअनुवादकार्य करनेयोग्यबनजायेंगे ।

CO7- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजीभाषाओं तीन भाषाओंपर प्रभुत्वप्राप्त करेंगे ।

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र [SEMISTER – I]

अनुवाद : सिद्धांत और स्वरुप

PAPER CODE :HIN -504-MJM

ईकाई नं.1: 1. अनुवाद: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप। 10 तासिकाएं

2.अनुवाद की आवश्यकता ।

ईकाई नं.2 :1.अनुवादप्रक्रिया - पाठपठन, विश्लेषण, भाषांतरण, समायोजन, 10तासिकाएं

स्त्रोतपाठसेतुलना।

2. अनुवाद का महत्व : उपयोगिता एवं व्याप्ति।

ईकाई नं.3 : 1. अनुवादक के गुण 10तासिकाएं

2. दो भाषाओं में अंतर - शब्दावली, पदरचना, अर्थ ।

(हिंदी-मराठी और हिंदी-अंग्रेजी के संदर्भ में)

संदर्भ ग्रंथ :

1) अनुवाद चिंतन - डॉ. अर्जुन चव्हाण
2) अनुवाद समस्याएं और संदर्भ - प्रा. बलवंत जेऊरकर
3) कार्यालयीन हिंदी एवं कार्यालयीन अनुवाद तकनीक - डॉ. सुरेश माहेश्वरी
4) अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - भोलानाथ तिवारी
5) अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी
6) अनुवाद रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार
7) अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ - डॉ. श्रीनारायण समीर।
8) ई-अनुवादऔरहिंदी - हरिशकुमारसेठी।

******

स्नातकोत्तर प्रथमवर्षकला[M.A.] SEMISTER – I

Electives– विशेष साहित्यकार : कबीर

PAPER CODE :HIN-511-MJE

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A. -I

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**: PAHIN**
Class	**:** M.A. -I
Semester	**:**I
Course Type	**: Electives**
Course Name	**:विशेष साहित्यकार : कबीर**
Course Code	**: HIN-511-MJE**
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

A) उद्देश्य (CourseObjectives) :

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक, संास्कृतिक, साहित्यिक)परिचय देना।
2. कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
3 छात्रों को कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों को कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
5. तत्कालीन काव्यभाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।

B) अपेक्षित परिणाम (CourseOutcomes):

CO1-छात्र तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक, संास्कृतिक, साहित्यिक) परिचय देंगे ।

CO2-कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देंगे ।

CO3-छात्र कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित होंगे ।

CO4-छात्रकबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे ।

CO5-तत्कालीन काव्यभाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देंगे ।

CO6-

CO7-

CO8-

पाठ्यक्रम

Electives– विशेष साहित्यकार : कबीर

PAPER CODE :HIN-511-MJE

पाठ्यग्रंथ : कबीर ग्रंथावली - संपादक: श्यामसुदंर दास
प्रकाशक: नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

ईकाई नं.1:ससंदर्भ व्याख्या के लिए निम्नलिखित चंद 15 तासिकाएं

1.गुरुदेव कौ अंग: 4, 20, 26, 34 = 04

2.सुमिरण कौ अंग: 4, 5, 9, 25 = 04

3.विरह कौ अंग: 3, 18, 21, 45, = 04

4.निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग: 2, 3, 9, 14 = 04

ईकाई नं.2 :ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ: 15 तासिकाएं

5.निंद्या कौ अंग: 2, 3, 4, 8 = 04

6.पद: 1, 40, 43, 59, 156, 180, 198, 251, 274, 290 = 10

ईकाई नं.3 :अध्ययनार्थ विषय: 15 तासिकाएं

1. निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि: संत कबीर
2. कबीर: व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3. कबीर के धार्मिक विचार
4. कबीर काव्य में विद्रोह
5. समाज सुधारक के रूप में कबीर

ईकाई नं.4 :अध्ययनार्थ विषय: 15 तासिकाएं

6. कबीर का पे्रम तत्व और विरह भावना
7. कबीर का रहस्यवाद
8. कबीर के राम
9. कबीर की दार्शनिकता- ब्रहम , जीव, माया, जगत, मोक्ष
10. कबीर की उलटबासियाॅ और प्रतीक पद्धति
11. कबीर काव्य की प्रासंगिकता

संदर्भ ग्रंथ:

1. कबीर: हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीरः संपा. विजयेंद्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा: डाॅ. गोविंद त्रिगुणायत
4. कबीर साहित्य की परंपरा: आ. परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर चितंन और सर्जन: संपा. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. कबीर: एक विवेचन: डाॅ. सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'
7. नाथ और संत साहित्य: डाॅ. नागेंद्रनाथ उपाध्याय
8. हिंदी संतों का उलटबाँसी साहित्य: डाॅ. रमेशचंद्र मिश्रा
9. कबीर साधना और साहित्य: डाॅ. प्रतापसिंह चैहान
10. कबीर एक अनुशीलन: डाॅ. रामकुमार वर्मा
11. युग पुरुष कबीर: रामचंद्र वर्मा
12. कबीर वचनामृत: संपा. डाॅ. विजेंद्र स्नातक, डाॅ. रमेशचंद्र मिश्र

*****

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.] SEMISTER – I

RM-अनुसंधान प्रविधि

PAPER CODE :HIN-521-RM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**: PAHIN**
Class	**:** M.A. -I
Semester	**:**I
Course Type	**: RM**
Course Name	**:अनुसंधान प्रविधि**
Course Code	**: HIN -521-RM**
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

A) उद्देश्य (CourseObjectives) :

1.छात्रों को अनुसंधान की प्रविधि से परिचित कराना।

2.अनुसंधान की प्रक्रिया से बोध कराना।

3.अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।

4.वस्तुनिष्ठ पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।

5.साहित्यिक अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से अवगत कराना।

6.अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक की उपयोगिता से अवगत कराना।

7.अनुसंधान के मूलतत्वों को समझना।

B) अपेक्षित परिणाम (CourseOutcomes):

1.अनुसंधान से छात्रों में ज्ञानदृधि बढ़ेगी।

2.छात्रों में निरिक्षण प्रयोग करने की क्षमता विकसित होगी।

3.छात्र शोध के आधार पर मानवीय स्थिति को सुधारनेका प्रयास करेगा।

4.लेखन मनन वाचन की क्षमता विकसित होगी।

5.अनुसंधान तथ्य सिद्धांत आदि से छात्र परिचित होगा।

6.छात्रों में सर्वेक्षण की क्षमता बढ़ेगी।

7.छात्रों में जिज्ञासा विकसित होगी।

पाठ्यक्रम

अनुसंधान प्रविधि

प्रथम सत्र[SEMISTER – I]

PAPER CODE :HIN-521-RM

इकाई -1 1. अनुसंधान स्वरूप, महत्व, व्याप्ति। 15तासिकाएं

2.अनुसंधान और आलोचना

3.अनुसंधान के मूल तत्व

4.अनुसंधान - उद्देश्य

इकाई - 2. 1.अनुसंधान के प्रकार 15तासिकाएं

2.विषय निर्वाचन

3.सामग्री संकलन

4.अनुसंधाता के गुण

इकाई - 3. 1.अनुसंधान की प्रविधियाँ 15तासिकाएं

2.हिंदी अनुसंधान से संबधित विषयोंकी भूमिका

3.साहित्यिक अनुसंधान - समस्याएँ

इकाई-4. 1.साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग 15तासिकाएं

2.साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग

3.शोध प्रविधि में कंप्युटर, इंटरनेट की उपयोगिता

संदर्भ ग्रंथ :

1.अनुसंधान : स्वरूप एवं प्रविधि - डॉ. राम गोपाल शर्मा

2. शोध- प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा

3. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया - डॉ. एस. एन. गणेशन

4. हिंदी शोध तंत्र रुपरेखा **-** डॉ. मनमोहन सेहगल

5. शोध -संस्कृति - डॉ. संजय नवले

*****